[This question paper contains 02 printed pages]

Roll Number: _____

HPAS (Main) Examination-2018

PHILOSOPHY-II

Time: 3 Hours | Maximum Marks: 100

निर्धारित समय : तीन घंटे | अधिकतम अंक: 100

Note:

1. This question paper contains eight questions. Attempt total five questions including question No.1 which is compulsory.

2. Each question carries equal marks. Marks are divided and indicated against each part of the question.

3. Write legibly. Each part of the question must be answered in sequence in the same continuation.

4. If questions are attempted in excess of the prescribed number only questions attempted first up to the prescribed number shall be valued and the remaining answers will be ignored.

ध्यान दें :

1. इस प्रश्न पत्र में आठ प्रश्न हैं। प्रश्न संख्या 1 (जो अनिवार्य है) सहित कुल पांच प्रश्नों के उत्तर लिखिए।

2. प्रत्येक प्रश्न के समान अंक हैं। अंको को प्रश्न के प्रत्येक भाग के विरुद्ध विभाजित और इंगित किया गया है।

3. स्पष्ट रूप से लिखें। प्रश्न के प्रत्येक भाग को उसी क्रम में क्रम से उत्तर दिया जाना चाहिए।

4. यदि प्रश्नों को निर्धारित संख्या से अधिक करने का प्रयास किया जाता है, तो केवल निर्धारित संख्या तक पहले किए गए प्रश्नों का मूल्यांकन किया जाएगा और शेष उत्तरों को नजरअंदाज किया जाएगा।

1. Write short notes on the following:-
निम्नलिखित पर संक्षिप्त टिपणी लिखिए:-

(i) Brahmaviharas (05)
ब्रह्माविहार

(ii) Philosophy of religion and theology (05)
धर्म-दर्शन और धर्म-शास्त्र

(iii) Consequentialism and utilitarianism (05)
परिणामवाद और उपयोगितावाद

(iv) Humanism and humanitarianism (05)
मानववाद और मानवतावाद

2. Discuss the concept and compatibility of Svadharma and Lokasangraha, in the context of Gita. (20)
गीता के संदर्भ में स्वधर्म और लोकसंग्रह की अवधारणा एवं सुसंगतता की विवेचना करें।

3. Critically discuss the concept of Eudaimonia. (20)
यूडिमोनिया की अवधारणा की आलोचनात्मक विवेचना करें।

4. Discuss the pros and cons of religious faith. (20)
धार्मिक आस्था के गुण-दोष की विवेचना करें।

5. How does Russell resolve the problem of Definite Description?
निश्चित वर्णन की समस्या का रसेल किस प्रकार निराकरण करते हैं?
(20)

6. Critically discuss the concept of justification of gender-equality.
लैंगिक-समानता की अवधारणा एवं औचित्य की आलोचनात्मक विवेचना करें।
(20)

7. Discuss the nature, need and practical possibility of secularism.
(20)

पंथ-निरपेक्षवाद के स्वरुप, आवश्यकता एवं व्यावहारिक संभावना की विवेचना करें।

8. Discuss the two theories of meaning given by Wittgenstein. Which of them would you support and why? (20)

विट्गेन्स्टाइन प्रदत अर्थ के दो सिद्धांतों की विवेचना करें। उनमें से आप किसका समर्थन करेंगे और क्यों?